ब्रहस्पतिवार, 30 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

रोहित को मैदान पर वापसी करने से पहले कुछ और मैचों का इंतजार करना होगा

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

निर्देशक आदित्य धर और सुपरस्टार रणवीर सिंह– एक बार फिर साथ आने के

Page-05

# एग्जिट पोल 2026

# बंगाल में बड़ा उलटफेर

पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल सामने आ चुके हैं, जिनमें सबसे बड़ा राजनीतिक संकेत पश्चिम बंगाल से मिला है। यहां के नतीजों ने राजनीतिक विश्लेषकों को भी चौंका दिया है। आठ प्रमुख एग्जिट पोल्स में से छह सर्वे में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। यदि ये अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह तृणमूल कांग्रेस के लंबे समय से चले आ रहे शासन का अंत और राज्य में एक बड़े राजनीतिक बदलाव की शुरुआत हो सकती है।पूर्वोत्तर और केंद्र शासित प्रदेश की बात करें तो असम और पुदुचेरी में भाजपा और उसके सहयोगियों का प्रदर्शन मजबूत नजर आ रहा है। एग्जिट पोल संकेत दे रहे हैं कि इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आसानी से सरकार बनाने की स्थिति में है। यह भाजपा के लिए अपने मौजूदा प्रभाव को बरकरार रखने और मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।दक्षिण भारत के राज्यों में भी दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। केरल में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को इस बार नुकसान होता दिख रहा है, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सत्ता में वापसी करता नजर आ रहा है। यह परिणाम राज्य की पारंपरिक सत्ता परिवर्तन की राजनीति को एक बार फिर दोहराता हुआ दिखाई देता है।तमिलनाडु में स्थिति थोड़ी मिश्रित नजर आ रही है। अधिकांश एग्जिट पोल द्रमुक (डीएमके) गठबंधन की वापसी का अनुमान लगा रहे हैं, लेकिन कुछ सर्वे में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को भी मजबूत स्थिति में दिखाया गया है, जिससे मुकाबला रोचक हो गया है और संभावित उलटफेर की चर्चा तेज हो गई है।हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि एग्जिट पोल केवल अनुमान होते हैं, और वास्तविक नतीजे 4 मई को होने वाली मतगणना के बाद ही स्पष्ट होंगे। फिर भी, ये आंकड़े राजनीतिक दलों और जनता के बीच उत्सुकता और बहस को जरूर बढ़ा रहे हैं।

## (टीवीके) चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर सकती है

अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन कर सकती है। एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल के अनुसार, पार्टी अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के बराबर वोट शेयर हासिल कर सकती है। एग्जिट पोल के मुताबिक, डीएमके के नेतृत्व वाला सात दलों का गठबंधन 92 से 100 सीटें हासिल कर सकता है। जबकि टीवीके को 98 से 120 सीटें मिल सकती हैं। वहीं, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाला पांच दलों का गठबंधन 22 से 32 सीटों तक सिमट सकता है। एग्जिट पोल में यह भी कहा गया है कि अगला मुख्यमंत्री चुनने के मामले में विजय, मौजूदा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से आगे हैं। सर्वे में 37 फीसदी लोगों ने विजय का समर्थन किया, जबकि स्टालिन को 35 फीसदी समर्थन मिला। हालांकि, अन्य कई एग्जिट पोल में डीएमके गठबंधन के फिर से सत्ता में आने का अनुमान लगाया गया है। पीपल्स पल्स ने डीएमके गठबंधन को 125 से 145 सीटें और एआईएडीएमके गठबंधन को 65 से 80 सीटें मिलने का अनुमान जताया है।

## रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत की यात्रा करेंगे

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव 14-15 मई को भारत के दौरे पर रहेंगे। लावरोव नई दिल्ली में आयोजित होने वाली ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसकी अध्यक्षता इस बार भारत कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने बुधवार को ब्रीफिंग के दौरान इस महत्वपूर्ण यात्रा की आधिकारिक घोषणा की। अपनी यात्रा के दौरान लावरोव भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे। जाखारोवा के अनुसार बैठक में सितंबर में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों और वैश्विक शासन को मजबूत करने पर विशेष चर्चा होगी। इसके अलावा दोनों नेता व्यापार, विज्ञान और आर्थिक सहयोग के साथ-साथ सालाना द्विपक्षीय बैठकों के एजेंडे की समीक्षा करेंगे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने जखारोवा के हवाले से बताया कि भारत की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और वैश्विक शासन को मजबूत करने की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करेगी, विशेष रूप से दुनिया के बहुमत का प्रतिनिधित्व करने वाले देशों के बीच। उन्होंने आगे कहा, इस साल सितंबर में नयी दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों के मद्देनजर रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

## गोवा में इंटरनेशनल ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

### फर्जी कॉल सेंटर से 7 आरोपी गिरफ्तार FRRO ने जारी की सख्त चेतावनी

जांच के दौरान पुलिस टीम ने किराए पर घर देने वाले या होटल मालिकों को फॉर्म-3, फॉर्म-C की आवश्यकताओं का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने की सलाह दी। जांच टीम ने कहा कि विदेशी नागरिकों के आगमन या चेक-इन की जानकारी 24 घंटे के भीतर जमा करनी होगी, सभी विवरण सही और पूर्ण रूप से दर्ज होने चाहिए। प्रस्थान या चेक-आउट की जानकारी भी 24 घंटे के भीतर अपडेट करनी होगी। यह आवश्यकता O C I कार्ड धारकों और विदेशियों के साथ आने वाले नाबालिग बच्चों पर भी लागू होती है। FRRO ने सभी आवास प्रदाताओं से समय पर और सटीक अनुपालन सुनिश्चित न करने पर कानून के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। गोवा के तिसवाड़ी जिले में 14 अप्रैल को पुलिस ने छापेमारी करके इंटरनेशनल ड्रग रैकेट का खुलासा किया था। इस गैंग के लोग यूरोप से कूरियर के जरिए मुंबई, दिल्ली और गोवा समेत कई शहरों में ड्रग्स की सप्लाई करते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक बंगले में चल रहे फर्जी कॉल सेंटर का भी भंडाफोड़ किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी विदेशी लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगते थे। गोवा पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान बंगले से लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल सामान जब्त किए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 23 लाख रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुंबई निवासी जय विजय आचार्य, अहमदाबाद निवासी योगेश माली, गांधीनगर निवासी ऋषभ दीपककुमार शाह, अहमदाबाद निवासी आशुतोष योगेश प्रताप, ठक्कर पार्थ भारभाई, मुंबई निवासी एड्रियन किंस्टन मारियासेवन और नागपुर निवासी नीलेश सतीश सिंह के रूप में हुई है।

## सुवेंदु अधिकारी का बड़ा दावा

# भवानीपुर से 20 हजार वोटों से जीत का भरोसा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गया है। राज्य में 23 अप्रैल को पहले चरण में 152 सीटों पर वोटिंग हुई थी। वहीं, आज 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण में 142 सीटों पर वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में भी बंपर मतदान हुआ है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, राज्य में दूसरे चरण में 91 प्रतिशत से भी ज्यादा वोटिंग हुई है। चुनाव की समाप्ति के बाद भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी ने बड़ा दावा किया है। सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि वह भवानीपुर सीट पर 20 हजार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज करेंगे। बता दें कि भवानीपुर से ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी चुनाव लड़ रही हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि लोगों ने राज्य में बदलाव के लिए वोट किया है। उन्होंने ममता बनर्जी पर भी गंभीर आरोप लगाए। सुवेंदु ने कहा- "हिंदू मतदाताओं ने पहली बार खुलकर वोटिंग की, मुझे उम्मीद है कि उन्होंने परिवर्तन के लिए वोट किया है। ममता बनर्जी ने पूरे दिन सेंट्रल फोर्स को डराने की कोशिश की है। ममता बनर्जी ने गुजराती मारवाड़ी वोटिंग एरिया में गुंडों को लेकर हस्तक्षेप करने की कोशिश की है।" सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि वह भवानीपुर में ममता बनर्जी के खिलाफ जीत हासिल करेंगे। उन्होंने भाजपा की सीटों का भी अनुमान बताया।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

| साईज | विजिटिंग कार्ड | क्वाटर पेज | हाफ पेज | फुल पेज (अंदर) | फुल पेज (कवर 2 - 3) | फुल पेज (कवर 4 - अंतिम) | (फ्रंट पेज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रेट | ₹ 3000 | ₹ 6000 | ₹ 10,000 | ₹ 20,000 | ₹ 25,000 | ₹ 30,000 | ₹ 100000 |

8601780000

# दुश्मनों के लिए चुनौती

## एस-400 तैनाती से भारत की रक्षा क्षमता में बड़ा इजाफा

**भारत रूस से एस-400 की चौथी खेप तैनात कर पश्चिमी सीमा पर वायु सुरक्षा मजबूत कर रहा है। यह प्रणाली लंबी दूरी तक दुश्मन के विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को नष्ट कर सकती है। साथ ही स्वदेशी आकाशतीर और बहुस्तरीय रक्षा कवच "सुदर्शन चक्र" विकसित कर आत्मनिर्भरता बढ़ाई जा रही है।**

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत की सुरक्षा रणनीति में एक और जबरदस्त छलांग लग चुकी है। रूस से आ रही एस-400 त्रियुम्फ की चौथी खेप मई के मध्य तक भारत की धरती पर तैनात हो जाएगी। यह वही हथियार है जिसने पिछले साल पाकिस्तान के साथ टकराव के दौरान दुश्मन के हौसले पस्त कर दिए थे। अब इसका चौथा और फिर पांचवां चरण भारत की वायु सुरक्षा को ऐसी अभेद्य ढाल में बदलने जा रहा है जिसे भेदना किसी भी दुश्मन के लिए लगभग नामुमकिन होगा। राजस्थान और पंजाब के मोर्चे पर इसे तैनात करने का फैसला साफ बताता है कि भारत पश्चिमी सीमा पर किसी भी तरह की चूक नहीं चाहता। समतल और रेगिस्तानी इलाकों में जहां ड्रोन और मिसाइल आसानी से घुसपैठ कर सकते हैं, वहां एस-400 की मौजूदगी दुश्मन की हर चाल को हवा में ही खत्म कर देगी। एस-400 प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत इसका लंबी दूरी का रडार और एक साथ सैंकड़ों लक्ष्यों पर नजर रखने की क्षमता है। यह प्रणाली छह सौ किलोमीटर तक के दायरे में तीन सौ तक लक्ष्यों को पहचान सकती है। यानी दुश्मन का विमान हो, ड्रोन हो या बैलिस्टिक मिसाइल, सबकी हरकत भारत की नजर से बच नहीं सकती। जैसे ही कोई खतरा सीमा के भीतर डेढ़ सौ किलोमीटर तक प्रवेश करता है, यह प्रणाली अपने आप सक्रिय होकर उसे निशाना बना लेती है। पिछले साल हुए संघर्ष में भारत ने इस प्रणाली का आक्रामक इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों, चेतावनी प्रणालियों और परिवहन विमानों को निशाना बनाया था। करीब ग्यारह लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल कर भारत ने साफ कर दिया था कि अब जवाब सिर्फ रक्षात्मक नहीं बल्कि निर्णायक होगा। यही वजह है कि अब अतिरिक्त पांच और प्रणालियां खरीदने का फैसला लिया गया है। हम आपको याद दिला दें कि 2018 में हुए पांच अरब से ज्यादा डॉलर के समझौते के तहत पांच स्क्वॉड्रन खरीदने की शुरूआत हुई थी। अब इस संख्या को दस तक ले जाने की योजना है। यह फैसला उस समय लिया गया था जब अमेरिका ने प्रतिबंधों की चेतावनी दी थी, लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि उसकी सुरक्षा सर्वोच्च है और किसी भी दबाव के आगे झुकना विकल्प नहीं है। यह सौदा भारत और रूस के रक्षा संबंधों को भी नई मजबूती देता है। पश्चिमी दबाव के बावजूद भारत ने अपनी स्वतंत्र रणनीतिक नीति को कायम रखा है। यह संदेश सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए है कि भारत अब अपने फैसले खुद लेता है और अपने हितों के अनुसार चलता है। रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह तैनाती भारत को बहुस्तरीय रक्षा प्रणाली की ओर तेजी से आगे बढ़ा रही है। एस-400 लंबी दूरी की सुरक्षा देगा, बराक-8 मध्यम दूरी पर ढाल बनेगा और स्वदेशी परियोजना कुशा विस्तारित सुरक्षा प्रदान करेगी। हम आपको बता दें कि इन तीनों को मिलाकर भारत एक ऐसा सुरक्षा कवच तैयार कर रहा है जिसे सुदर्शन चक्र कहा जा रहा है। यह भारत का अपना आयरन डोम होगा जो बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और यहां तक कि हाइपरसोनिक हथियारों को भी रोकने में सक्षम होगा। लेकिन भारत सिर्फ आयात पर निर्भर नहीं रहना चाहता। इसी दिशा में रक्षा मंत्रालय ने 83 कैडेट प्रणालियों के लिए प्रस्ताव जारी किया है। यह प्रणाली आकाशतीर नेटवर्क को लेकर चलने वाले ट्रैक आधारित वाहन होंगे जो टैंक और बख्तरबंद वाहनों के साथ चलते हुए उन्हें हवाई खतरों से बचाएंगे। यह कदम बेहद अहम है क्योंकि आधुनिक युद्ध में ड्रोन और हवाई हमले सबसे बड़ा खतरा बन चुके हैं। हम आपको बता दें कि आकाशतीर प्रणाली पूरी तरह स्वदेशी है और यह अलग-अलग सेंसर और हथियारों को एक ही नेटवर्क में जोड़कर वास्तविक समय में निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। इसे ट्रैक वाले प्लेटफार्म पर लगाने का मतलब है कि यह कठिन इलाकों में भी टैंकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकेगी। यही वह कमी थी जिसे

## सीजफायर के पीछे चीन!

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो सप्ताह के संघर्षविराम के पीछे चीन की कूटनीतिक भूमिका को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। हालांकि बीजिंग ने आधिकारिक रूप से अपनी भूमिका की पुष्टि नहीं की है, लेकिन विभिन्न रिपोर्टों में संकेत दिए गए हैं कि चीन ने पर्दे के पीछे रहकर ईरान को वार्ता के लिए तैयार करने में अहम योगदान दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अप्रत्यक्ष रूप से चीन की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी जानकारी मिली है, जिससे संकेत मिलता है कि बातचीत शुरू करवाने में चीन की भूमिका रही हो सकती है। इस घटनाक्रम को वैश्विक कूटनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। संघर्ष विराम की घोषणा ट्रंप ने अपनी निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने से महज 90 मिनट पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर की। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर के अनुरोध पर यह निर्णय लिया गया। इसके तहत अमेरिका और ईरान दोनों ने दो सप्ताह तक किसी भी सैन्य कार्रवाई से परहेज करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित और निर्बाध रूप से खोलने पर सहमति दी है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है। वहीं, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने भी संघर्षविराम की पुष्टि करते हुए कहा कि वह इस अवधि में अमेरिका के साथ आगे की वार्ता के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट के अनुसार, आमने-सामने बातचीत को लेकर चर्चा जारी है, लेकिन अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका को ईरान की ओर से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है, जिसे व्यापक समझौते की दिशा में एक आधार माना जा रहा है।

## ईरान की रणनीतिक बढ़त!

### 10 शर्तों के साथ अमेरिका को बातचीत पर मजबूर किया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच दो सप्ताह के संघर्षविराम की घोषणा ने वैश्विक राजनीति में नया मोड़ ला दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक हमले टालने का ऐलान करते हुए संकेत दिया कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक समाधान की दिशा में प्रगति हो रही है। इस घटनाक्रम को कई विश्लेषक ईरान की रणनीतिक बढ़त के रूप में देख रहे हैं।हाल ही में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ कड़े बयान देते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी थी, लेकिन अब उनका रुख नरम पड़ता दिखाई दे रहा है। दो सप्ताह के सीजफायर के ऐलान के साथ ही दोनों पक्षों के बीच बातचीत की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस बीच, ईरान की ओर से रखी गई 10 प्रमुख शर्तें चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। ईरान ने सबसे पहले सुरक्षा की गारंटी और स्थायी शांति की मांग रखी है, जिसमें लेबनान जैसे क्षेत्रों में भी संघर्ष समाप्त करने की बात शामिल है। इसके अलावा, अमेरिका से सभी आर्थिक प्रतिबंध हटाने, सेकेंडरी

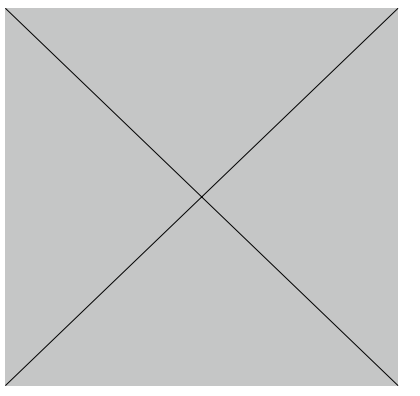

सैंक्शंस खत्म करने और संयुक्त राष्ट्र व अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी (IAEA) से जुड़े प्रतिबंधों को समाप्त करने की मांग की गई है।ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम के तहत यूरेनियम संवर्धन की अनुमति बनाए रखने पर भी जोर दिया है। साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और वहां से गुजरने वाले जहाजों के लिए शुल्क निर्धारण की मांग की है। ईरान ने युद्ध के दौरान हुए नुकसान के लिए आर्थिक मुआवजे और क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को भी अपनी शर्तों में शामिल किया है।

## संकट में यूरोपियन यूनियन: अर्थव्यवस्था, राजनीति और एकता पर खतरा

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

दुनिया में कभी आपसी एकता, खुली सीमाओं और मजबूत अर्थव्यवस्था की मिसाल माना जाने वाला यूरोपियन यूनियन (EU) आज एक बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। हालात ऐसे हैं कि अर्थव्यवस्था से लेकर राजनीति तक, ईयू चौतरफा घिर चुका है। अमेरिका और चीन के मुकाबले यूरोप अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई तकनीकों और आर्थिक विकास में काफी पिछड़ रहा है। वहां लगातार बढ़ती महंगाई और सुस्त विकास दर ने आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसके अलावा, पर्यावरण को बचाने के लिए EU ने 'ग्रीन ट्रांजिशन' के नाम पर जो सख्त नियम बनाए हैं, उनसे खेती और जनजीवन इतना महंगा हो गया है कि पूरे यूरोप में किसान सड़कों पर उतर कर विरोध कर रहे हैं। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध के लंबा खिंचने से यूरोप का खजाना खाली हो रहा है और अब खुद सदस्य देशों के बीच इस बात पर मतभेद गहराने लगे हैं कि यूक्रेन को और कितनी आर्थिक और सैन्य मदद दी जाए। इन आर्थिक और बाहरी चुनौतियों के बीच, यूरोप की राजनीति में भी एक बड़ा भूचाल आ गया है। फ्रांस, जर्मनी, इटली और नीदरलैंड्स जैसे देशों में दक्षिणपंथी यानी राष्ट्रवादी और प्रवासी विरोधी पार्टियां तेजी से हावी हो रही हैं, जो सीधे तौर पर ईयू के सिस्टम और उसकी एकता को चुनौती दे रही हैं। लेकिन, यूरोप की इस राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल की शुरूआत अचानक नहीं हुई है। विशेषज्ञों की मानें तो इसकी सबसे गहरी जड़ें 2015 के 'सीरियाई शरणार्थी संकट' में छिपी हैं। आइए समझते हैं कि सीरिया ने यूरोप को हमेशा के लिए कैसे बदल दिया। 2015-16 के दौरान सीरियाई गृहयुद्ध के कारण करीब 10 लाख से ज्यादा लोग जान बचाकर अचानक यूरोप की सीमाओं पर पहुंच गए। यूरोप का पूरा सिस्टम इतने बड़े शरणार्थी संकट को एक साथ संभालने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं था। जब इन शरणार्थियों को 27 देशों के बीच 'कोटा सिस्टम' से बांटने की बात आई, तो देशों के बीच भारी विवाद शुरू हो गया। कई देशों ने अपनी सीमाएं सील कर दीं। इससे बिना पासपोर्ट पूरे यूरोप में घूमने की आज़ादी देने वाला मशहूर 'शेंगेन एग्रीमेंट' ही खटाई में पड़ गया।

## ओपेक से अलग हुआ UAE, भारत के लिए खुला कच्चे तेल का नया रास्ता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) से बाहर निकलने से मध्य पूर्व के ऊर्जा परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है और वैश्विक तेल व्यापार के लिए नए अवसर खुल गए हैं। 1 मई से अबू धाबी सऊदी अरब द्वारा निर्धारित तेल कार्टेल की उत्पादन सीमाओं से मुक्त हो जाएगा और अपनी पूरी क्षमता के अनुसार कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ा सकता है। इससे रणनीतिक फुजैरा पाइपलाइन के माध्यम से भारत को निर्यात बढ़ाने का रास्ता खुल गया है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से बाईपास करती है। चूंकि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) तत्काल अपने तेल उत्पादन को प्रतिदिन दस लाख बैरल तक बढ़ा सकता है, इसलिए भारत के लिए यह अच्छी खबर है। भारत और UAE के बीच ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा पर आधारित गहरे रणनीतिक संबंध हैं। UAE पहले से ही भारत के प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, और फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण नई दिल्ली फुजैराह के रास्ते शिपमेंट को पुनर्निर्देशित कर रही थी। अब, OPEC कोटा की बाधा न होने के

कारण, UAE भारत को अधिक तेल, संभवतः किफायती कच्चा तेल भेजने की बेहतर स्थिति में है, जो पेट्रोल, डीजल और पेट्रोकेमिकल्स की जरूरतों के लिए इन आयातों पर बहुत अधिक निर्भर है। मंगलवार को घोषित अबू धाबी के इस फैसले के साथ, ओपेक में संयुक्त अरब अमीरात की लगभग 60 वर्षों की सदस्यता समाप्त हो गई। संयुक्त अरब अमीरात की सरकारी समाचार एजेंसी WAM ने बताया कि उत्पादन नीति और राष्ट्रीय हित की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री सुहैल मोहम्मद अल मजरुई ने इसे "दीर्घकालिक बाजार मूलभूत सिद्धांतों के अनुरूप नीति-प्रेरित परिवर्तन" बताया। अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (ADNOC) के प्रमुख सुल्तान अल जाबेर ने इसे देश की वास्तविक उत्पादन क्षमता और वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के अनुरूप "संप्रभु निर्णय" बताया।

## संपादक की कलम से

**पिछले कुछ वर्षों में मौसम के बदलते मिजाज ने यह साफ कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। कभी असमय बारिश, कभी भीषण गर्मी तो कभी बाढ़ और सूखे की मार—ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इस संकट के लिए जिम्मेदार कौन है और इससे निपटने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। औद्योगीकरण, अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और बढ़ता प्रदूषण जलवायु परिवर्तन के मुख्य कारण हैं। विकास की दौड़ में हमने प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है, जिसका खामियाजा अब पूरी दुनिया भुगत रही है। शहरों में बढ़ता प्रदूषण न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाल रहा है। सांस संबंधी बीमारियां, गर्मी से होने वाली समस्याएं और जल संकट अब आम हो गए हैं। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी खेती पर निर्भर है, जलवायु परिवर्तन का असर और भी गहरा है। अनिश्चित मौसम के कारण किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, जिससे उनकी आय और जीवन दोनों संकट में हैं। इसके अलावा, जल संकट भी एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। कई शहरों में पीने के पानी की कमी देखने को मिल रही है, जो आने वाले समय के लिए चेतावनी है। हालांकि सरकारें इस दिशा में कई योजनाएं और नीतियां बना रही हैं, लेकिन केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। इस लड़ाई में हर नागरिक की भागीदारी जरूरी है। छोटे-छोटे कदम जैसे पानी की बचत, बिजली का सीमित उपयोग, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल और पेड़ लगाना भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। साथ ही, हमें अपने जीवनशैली में भी बदलाव लाना होगा। जरूरत से ज्यादा उपभोग की आदत को छोड़कर संतुलित और पर्यावरण के अनुकूल जीवन अपनाना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा को और मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी इस मुद्दे के प्रति संवेदनशील बन सके। अंततः, जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है, लेकिन इसका समाधान स्थानीय स्तर पर ही संभव है। यदि हम आज जागरूक नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और संकटग्रस्त दुनिया विरासत में मिलेगी। इसलिए समय की मांग है कि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलें और अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए ठोस कदम उठाएं।**

# असम में बीजेपी का दबदबा कायम, एनडीए को स्पष्ट बहुमत के संकेत

**2026 असम विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए को स्पष्ट बहुमत मिलता दिख रहा है। गठबंधन को 88-100 सीटें और करीब 48% वोट मिलने का अनुमान है। कांग्रेस गठबंधन पीछे नजर आ रहा है, जिससे राज्य में एनडीए की दोबारा सरकार बनने के संकेत मिल रहे हैं।**

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

2026 के असम विधानसभा चुनावों को लेकर सामने आए नवीनतम एग्जिट पोल में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन की मजबूत स्थिति दिखाई दे रही है। विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन राज्य में आराम से बहुमत हासिल कर एक बार फिर सरकार बनाने की ओर बढ़ रहा है। 126 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 64 सीटों का है, जबकि एग्जिट पोल एनडीए को 88 से 100 सीटें मिलने का अनुमान जता रहे हैं। यह आंकड़ा न केवल बहुमत से काफी आगे है, बल्कि राज्य में गठबंधन के राजनीतिक प्रभुत्व को भी स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इन अनुमानों के मुताबिक, अकेले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 70 से 80 सीटें मिलने की संभावना है। यह प्रदर्शन पार्टी की मजबूत संगठनात्मक क्षमता, नेतृत्व और राज्य में उसकी लगातार बढ़ती पकड़ को दिखाता है। वहीं, उसके सहयोगी दल—असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ)—को मिलाकर 16 से 20 सीटें मिलने का अनुमान है। इससे स्पष्ट है कि एनडीए गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर एक संतुलित और प्रभावी चुनावी प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन (कॉन्ग+) को एग्जिट पोल में 24 से 36 सीटें मिलने का अनुमान है। यह आंकड़ा विपक्ष के लिए कुछ हद तक सुधार जरूर दर्शाता है, लेकिन सत्ता में वापसी के लिए यह पर्याप्त नहीं माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विपक्ष अभी भी मतदाताओं के बीच मजबूत विश्वास कायम करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाया है, जिसके चलते वह एनडीए को कड़ी टक्कर देने से पीछे रह गया। एग्जिट पोल के आंकड़े केवल सीटों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वोट शेयर के मामले में भी एनडीए को स्पष्ट बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। अनुमान के अनुसार, एनडीए को लगभग 48 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को करीब 38 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है। यह करीब 10 प्रतिशत का अंतर दर्शाता है कि मतदाताओं का झुकाव बड़े पैमाने पर सत्तारूढ़ गठबंधन की ओर बना हुआ है। खास बात यह है कि अकेले भाजपा का वोट शेयर लगभग 37 प्रतिशत बताया जा रहा है, जो गठबंधन के भीतर उसकी केंद्रीय और निर्णायक भूमिका को रेखांकित करता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि एग्जिट पोल अंतिम परिणाम नहीं होते। ये मतदान के बाद मतदाताओं से लिए गए सैंपल सर्वे पर आधारित होते हैं और इनमें त्रुटि की संभावना बनी रहती है। कई बार वास्तविक नतीजे इन अनुमानों से अलग भी हो सकते हैं। इसके बावजूद, एग्जिट पोल आमतौर पर चुनावी रुझानों और मतदाताओं के मूड की एक झलक जरूर प्रदान करते हैं।कुल मिलाकर, मौजूदा एग्जिट पोल संकेत देते हैं कि असम में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन एक बार फिर मजबूत जनादेश के साथ सत्ता में लौट सकता है। यदि ये अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह राज्य की राजनीति में एनडीए के निरंतर प्रभाव और मतदाताओं के भरोसे को और मजबूत करेगा, जबकि विपक्ष के लिए यह आत्ममंथन का विषय बन सकता है।

# केरल में सत्ता परिवर्तन के संकेत: एग्जिट पोल में यूडीएफ को स्पष्ट बढ़त

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के एक दशक बाद केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) से सत्ता छीनने की संभावना है। एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन को स्पष्ट बढ़त मिल रही है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के एलडीएफ की स्थिति खराब होने की आशंका है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को आक्रामक चुनाव प्रचार के बावजूद कोई खास प्रभाव डालने में मुश्किल हो सकती है। मैट्रिज़ के अनुसार, यूडीएफ को 70-75 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि एलडीएफ को 60-65 और एनडीए को 3-5 सीटें मिल सकती हैं। पीपुल्स पल्स ने यूडीएफ के लिए 75-85 सीटें, एलडीएफ के लिए 55-65 और एनडीए के लिए 0-3 सीटों का अनुमान लगाया है। एक्सिस माई इंडिया ने यूडीएफ की 78-90 सीटों के साथ आरामदायक जीत का अनुमान लगाया है, जबकि एलडीएफ के लिए 49-62 सीटें और एनडीए के लिए 0-3 सीटों का अनुमान है। नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। केरल में 140 विधानसभा सीटें हैं और यहां 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ। बहुमत के लिए 71 सीटों की आवश्यकता है। यदि 4 मई को एग्जिट पोल के अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह केरल में सत्ताधारी एलडीएफ को एक और बड़ा झटका होगा। वहीं, कांग्रेस के लिए यह एक दशक बाद महत्वपूर्ण वापसी का संकेत होगा, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में उसके बेहतर प्रदर्शन पर आधारित होगी। दक्षिणी राज्य में शासन, कल्याणकारी योजनाओं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के आरोपों और सत्ता विरोधी भावनाओं पर केंद्रित एक जोरदार चुनाव प्रचार देखने को मिला। यूडीएफ ने प्रशासनिक परिवर्तन और आर्थिक पुनरुद्धार के वादों पर चुनाव प्रचार किया, जबकि एलडीएफ ने पिनारयी विजयन की सरकार के तहत कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को प्रमुखता दी। भाजपा ने शहरी और तटीय क्षेत्रों में आक्रामक प्रचार के माध्यम से अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया।

# तमिलनाडु में डीएमके का दबदबा, एआईएडीएमके पीछे, विजय की एंट्री से बदले समीकरण

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एग्जिट पोल के ताजा अनुमानों के मुताबिक, तमिलनाडु की राजनीति में एक बार फिर द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) की मजबूत वापसी होती दिख रही है। विभिन्न एजेंसियों के सर्वे संकेत दे रहे हैं कि डीएमके न केवल सत्ता बरकरार रखने में सफल रहेगी, बल्कि उसे स्पष्ट बहुमत भी मिल सकता है। पी-मार्क और मैट्रिक्स के अनुमान के अनुसार डीएमके गठबंधन को 122 से 132 सीटें मिल सकती हैं, जबकि पीपुल्स पल्स के सर्वे में यह आंकड़ा और बढ़कर 125 से 145 सीटों तक पहुंचता दिख रहा है। इन अनुमानों के आधार पर डीएमके लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की स्थिति में नजर आ रही है।दूसरी ओर, एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 65 से 100 सीटें मिलने का अनुमान है। यह आंकड़ा पिछले प्रदर्शन की तुलना में कुछ सुधार जरूर दर्शाता है, लेकिन सत्ता हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जा रहा है। ऐसे में राज्य में मुख्य मुकाबला भले ही डीएमके और एआईएडीएमके के बीच रहा हो, लेकिन इस बार चुनाव में एक नया राजनीतिक फैक्टर भी उभरकर सामने आया है।अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने पहली बार चुनावी मैदान में उतरकर सबका ध्यान खींचा है। एग्जिट पोल भले ही टीवीके को बड़ी संख्या में सीटें नहीं दे रहे हों, लेकिन यह साफ संकेत मिल रहा है कि पार्टी ने पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई है। खासतौर पर युवा मतदाताओं और शहरी क्षेत्रों में विजय की लोकप्रियता ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया है।कुल मिलाकर, एग्जिट पोल के नतीजे तमिलनाडु में डीएमके की बढ़त और विपक्ष के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति की ओर इशारा करते हैं, वहीं टीवीके का उभार राज्य की राजनीति में नए बदलाव

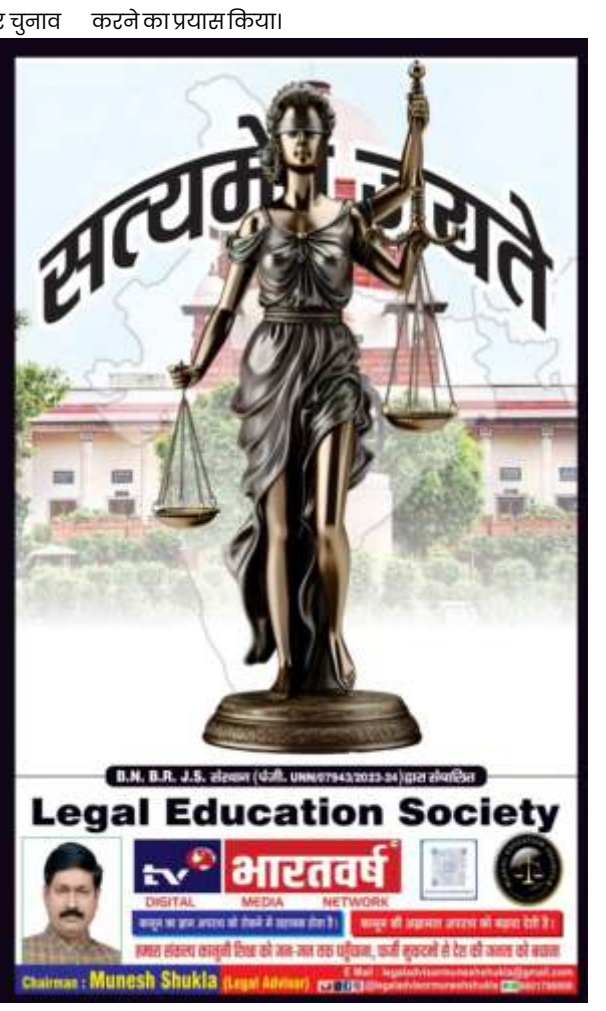

# डॉलर के मुकाबले रूपया दबाव में वैश्विक संकेतों से बढ़ी अस्थिरता

भारतीय मुद्रा रूपया इन दिनों अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दबाव में बना हुआ है। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेश के प्रवाह में कमी जैसे कई कारकों ने रूपये की चाल को प्रभावित किया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में भी रूपये में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।हाल के दिनों में डॉलर की मजबूती एक प्रमुख कारण बनकर उभरी है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर सख्त रूख और मजबूत आर्थिक आंकड़ों के चलते डॉलर इंडेक्स में बढ़ोतरी देखी गई है। इसका सीधा असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर पड़ा है, जिसमें भारतीय रूपया भी शामिल है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर अमेरिकी बाजारों की ओर रूख करते हैं, जिससे भारत जैसे देशों से विदेशी पूंजी का बहिर्वाह बढ़ जाता है।इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी भी रूपये के लिए चुनौती बनी हुई है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, और जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है, तो डॉलर की मांग बढ़ जाती है। इससे रूपये पर अतिरिक्त दबाव बनता है। हाल के हफ्तों में तेल की कीमतों में आई तेजी ने भी रूपये को कमजोर करने में भूमिका निभाई है।घरेलू स्तर पर भी कुछ कारण रूपये की स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की बिकवाली और व्यापार घाटे में वृद्धि ने भी रूपये को कमजोर किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) समय-समय पर हस्तक्षेप कर मुद्रा को स्थिर रखने की कोशिश करता है, जिससे अत्यधिक गिरावट को रोका जा सके।विशेषज्ञों का कहना है कि रूपये की यह कमजोरी पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। कमजोर रूपया निर्यातकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है, क्योंकि इससे भारतीय वस्तुएं वैश्विक बाजार में सस्ती हो जाती हैं। आईटी, फार्मा और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों को इससे लाभ मिलने की उम्मीद रहती है। वहीं, आयात आधारित उद्योगों के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है, क्योंकि उनकी लागत बढ़ जाती है।आगे की दिशा पर नजर डालें तो कई कारक रूपये की चाल तय करेंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां, वैश्विक आर्थिक स्थिति, कच्चे तेल के दाम और भारत में निवेश का माहौल—ये सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यदि विदेशी निवेश में सुधार होता है और तेल की कीमतें स्थिर रहती हैं, तो रूपये को कुछ राहत मिल सकती है।कुल मिलाकर, रूपया फिलहाल वैश्विक दबावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अल्पकाल में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन मजबूत आर्थिक आधार और नीतिगत समर्थन के चलते भारतीय मुद्रा के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को अभी भी सकारात्मक माना जा रहा है।

## बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव का ऐलान

बैडमिंटन के खेल में पिछले काफी समय से स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव को लेकर चर्चा देखने को मिल रही थी, जिसको लेकर आखिरकार 25 अप्रैल को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन यानी बीडब्ल्यूएफ ने अपना फैसला सुना दिया। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने स्कोरिंग सिस्टम में बदलाव का ऐलान करते हुए 3×15 प्वाइंट सिस्टम को आधिकारिक रूप से अपनाने का फैसला ले लिया। अभी बैडमिंटन में 3×21 पॉइंट्स फॉर्मेट के तहत मुकाबले खेले जाते हैं। वहीं बीडब्ल्यूएफ के इस फैसले को लेकर पीवी सिंधु सहित कई भारतीय प्लेयर्स ने अपनी नाखुशी को भी जाहिर किया है जो नए स्कोरिंग सिस्टम से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं।डेनमार्क के हॉर्सन्स में हुई बीडब्ल्यूएफ वार्षिक आम बैठक के दौरान बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम 3×15 को अपनाने वाले प्रस्ताव को दो-तिहाई बहुमत से पास कर दिया गया। अब ये प्वाइंट सिस्टम अगले साल की शुरुआत में 4 जनवरी से लागू कर दिया जाएगा। इसी के साथ पिछले दो दशकों से चल रहे 3×21 पॉइंट्स फॉर्मेट का अंत हो जाएगा। बैडमिंटन में इस नए स्कोरिंग सिस्टम के तहत अब मैच 21 की जगह 15 पॉइंट्स के तीन गेम्स में खेले जाएंगे। BWF की अध्यक्ष ख्रुनिंग पटामा लीस्वदत्राकुल ने इस फैसले को बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया और कहा कि खेल को अगली पीढ़ी के लिए विकसित होना जरूरी है। भारतीय बैडमिंटन प्लेयर्स ने बीडब्ल्यूएफ के इस नए स्कोरिंग सिस्टम का ऐलान होने के बाद अपनी नाखुशी को जाहिर किया है, जिसमें पीवी सिंधु और साइना नेहवाल दोनों का नाम शामिल है। इसमें साइना ने कहा कि सुधार की दौड़ में खेल अपनी असलियत न खो दे। इसके अलावा दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पूर्व मुख्य कोच विमल कुमार नाम भी शामिल है जिन्होंने नए नियम को लेकर नाखुशी जाहिर की है। इसमें विमल कुमार ने कहा कि बीडब्ल्यूएफ के स्कोरिंग प्रणाली में बदलाव करने के फैसले से मैं बेहद निराश हूं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने इसका भरपूर समर्थन किया है।

## सोशल मीडिया पर हुए एक वीडियो में रियन को ड्रेसिंग रूम के अंदर वैपिंग करते हुए देखा गया

## रोहित को मैदान पर वापसी करने से पहले कुछ और मैचों का इंतजार करना होगा

आईपीएल 2026 सीजन का 41वां लीग मुकाबला मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के बीच में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया है। वहीं सभी की नजरें मुंबई इंडियंस टीम की प्लेइंग 11 पर थी, जिसमें ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि रोहित शर्मा की वापसी होगी जो पिछले कुछ मैचों से अनफिट होने की वजह से नहीं खेल रहे थे। हालांकि रोहित इस मुकाबले में भी खेलने के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो सके और उनकी फिटनेस को लेकर हार्दिक पांड्या ने टॉस के समय बड़ा अपडेट दिया। मुंबई इंडियंस टीम के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा आईपीएल 2026 में 12 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मैच में बल्लेबाजी के दौरान हैमस्ट्रिंग में दिक्कत होने के बाद रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। इसके बाद से वह अब तक पूरी तरह से फिट नहीं हो सके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में हार्दिक पांड्या से जब रोहित शर्मा की फिटनेस और उनकी वापसी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने बताया कि रोहित को मैदान पर वापसी करने से पहले कुछ और मैचों का इंतजार करना होगा। वह अभी उस स्तर तक नहीं पहुंच सके हैं जिसकी उनको उम्मीद है। वह पूरी तरह से फिट होने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में मुंबई इंडियंस ने अपनी प्लेइंग 11 में दो बड़े बदलाव किए हैं, जिसमें मिचेल सैंटनर जहां कंधे में लगी चोट के चलते पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो चुके हैं तो वहीं क्विंटन डी कॉक इस मैच में कलाई में दिक्कत के चलते नहीं खेल रहे हैं। इसको लेकर मुंबई इंडियंस ने अपनी प्लेइंग 11 में रयान रिकल्टन और रॉबिन मिन्ज को शामिल करने का फैसला लिया है।

## वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सनसनी मचाते हुए 400 रन का आंकड़ा पार कर लिया

आईपीएल 2026 में इस बार सबसे ज्यादा चर्चा जिस खिलाड़ी की हो रही है, वह महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी हैं, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, उन्होंने इस सीजन में अब तक 400 रन पूरे कर लिए हैं और ऐसा करने वाले वह पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इतनी कम उम्र में उनका यह प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल कर रहा है। बता दें कि पिछले सीजन में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि वह किसी दबाव में आने वाले खिलाड़ी नहीं हैं। तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों को भी उन्होंने आत्मविश्वास के साथ खेला है और अपने आक्रामक अंदाज से गेंदबाजों को लगातार दबाव में रखा है। गौरतलब है कि वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ भी बेखौफ बल्लेबाजी की है। उनका यह आत्मविश्वास और स्पष्ट सोच उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। वह बड़े नामों से प्रभावित हुए बिना हर गेंद को ध्यान से खेलते हैं, जिससे उन्हें खुलकर खेलने में मदद मिलती है। अगर उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 52 रन से शुरुआत की, इसके बाद गुजरात के खिलाफ 31 और मुंबई के खिलाफ 39 रन बनाए। बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने 78 रन की तेज पारी खेली। हालांकि बीच में कुछ छोटे स्कोर भी आए, लेकिन जयपुर में उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंदों में 103 रन बनाकर अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी उन्होंने पंजाब के खिलाफ 43 रन बनाकर अपनी लय बरकरार रखी है।

## शाकिब अल हसन ने अंतरिम सरकार के फैसले को सबसे बड़ी गलती बताया

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में साल 2026 की शुरुआत में 7 फरवरी से लेकर 8 मार्च तक टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन किया गया था, जिसे टीम इंडिया अपने नाम करने में कामयाब रही थी। इस टूर्नामेंट में बांग्लादेश की टीम को भी हिस्सा लेना था, जिसने सीधे अपनी जगह बनाई थी, लेकिन उस समय बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत में अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देते हुए टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को भेजने से मना कर दिया था। अब इसको लेकर बांग्लादेश टीम के स्टार खिलाड़ी शाकिब अल हसन का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने अंतरिम सरकार का इसे सबसे गलत फैसला माना है।शाकिब अल हसन जो भारत में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश के हिस्सा ना लेने के फैसले को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मुझे लगता है कि यह अंतरिम सरकार की सबसे बड़ी गलती थी कि उन्होंने वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। इससे बांग्लादेश क्रिकेट को भी काफी बड़ा नुकसान हुआ। हमारे देश में मौजूद क्रिकेट प्रेमी खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप में खेलते हुए देखना पसंद करते हैं। ऐसे में बड़े टूर्नामेंट में नहीं खेलने का फैसला किसी ब्लंडर से कम नहीं है। बता दें कि उस समय बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता पर काबिज थी जिन्होंने वर्ल्ड कप के मैच भारत से श्रीलंका में शिफ्ट करने की मांग की थी, जिसको लेकर आईसीसी ने साफ मना कर दिया था।बांग्लादेश में जैसे ही नई सरकार ने सत्ता संभाली उसी के साथ वहां के क्रिकेट बोर्ड में भी बदलाव देखने को मिला जिसमें बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को पद से हटा दिया और नए चुनाव होने तक बोर्ड के दैनिक कामकाज को चलाने के लिए तदर्थ समिति का गठन किया गया है। बुलबुल को हटाने के पीछे का बड़ा कारण टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हुआ विवाद माना जा रहा है। वहीं बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड लगातार बीसीसीआई के साथ भी अपने रिश्तों को सुधारने का प्रयास कर रहा है जिसमें उनको उम्मीद है कि टीम इंडिया लिमिटेड ओवर्स सीरीज खेलने के लिए उनके देश का दौरा करेगी।

घायल बेजुबान को पीठ पर लादकर चला शख्स

# पहाड़ों जैसा ऊंचा हौसला

दूर पहाड़ों के एक गांव से आया एक वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में इंसानियत की ऐसी झलक देखने को मिल रही है, जिसे देखकर लोग भावुक हो रहे हैं. यहां एक शख्स एक बेजुबान जानवर के साथ अपने रिश्ते को निभाता नजर आ रहा है.वीडियो में दिखता है कि एक आदमी संकरे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चढ़ाई कर रहा है. उसकी पीठ पर एक बड़ी टोकरी बंधी हुई है. उसी टोकरी में एक घायल आवारा कुत्ता बैठा है, जो अपने पैर की चोट के कारण चलने में पूरी तरह असमर्थ है. रास्ता इतना मुश्किल था कि वहां किसी भी तरह का वाहन पहुंच ही नहीं सकता था. पत्थरों से भरा रास्ता, टूटी सीढ़ियां और

खड़ी चढ़ाई.हर कदम पर चुनौती थी. लेकिन इस शख्स ने हार नहीं मानी. वह धीरे-धीरे कुत्ते को अपनी पीठ पर लेकर ऊपर चढ़ता रहा. उसके साथ एक और व्यक्ति भी था, जो उसे संभालते हुए रास्ता दिखा रहा था. बताया गया कि यह कुत्ता काफी समय से घायल हालत में वहीं पड़ा था और खुद से कुछ भी करने में असमर्थ था. ⊙

लाल शर्ट वाले युवक ने 'कांटा लगा' स्टेप्स से जीता दिल

# पेट्रोल पंप पर युवक का डांस वायरल

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक पेट्रोल पंप के बीचों-बीच बेफिक्र होकर डांस करता नजर आ रहा है. यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है, क्योंकि इसमें युवक बिना किसी झिझक के अपने मन से डांस करता दिख रहा है. बताया जा रहा है कि यह घटना दिन के समय की है, जब पेट्रोल पंप पर रोज की तरह गाड़ियों की भीड़ लगी हुई थी. लोग अपने-अपने काम में व्यस्त थे और पेट्रोल भरवा रहे थे. तभी अचानक एक युवक, जो लाल शर्ट और साधारण पैंट पहने हुए था, वहां आकर डांस करने लगा.शुरुआत में लोगों को लगा कि शायद वह मजाक कर रहा है, लेकिन कुछ ही देर में उसका डांस काफी तेज हो

पहले भी कई लोग सार्वजनिक जगहों पर अचानक डांस करते हुए नजर आए हैं.

गया. युवक को इस बात से बिल्कुल फर्क नहीं पड़ रहा था कि आसपास कितने लोग हैं या कौन उसे देख रहा है. वह पूरी तरह अपनी ही दुनिया में खोकर नाच रहा था. उसके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी, जैसे उसे किसी भी बात की चिंता नहीं है. डांस के दौरान युवक ने कई मशहूर गानों पर परफॉर्म किया. कभी वह कांटा लगा गाने पर झूमता नजर आया, तो कभी घुंघरू टूट गए जैसे गानों के स्टेप्स करता दिखा. उसके स्टेप्स में आत्मविश्वास और मस्ती दोनों साफ दिखाई दे रहे थे. ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी बड़े मंच पर परफॉर्म कर रहा हो, जबकि वह एक साधारण पेट्रोल पंप पर नाच रहा था. ⊙

**सोशल मीडिया पर अपनी बेफिक्र हंसी के लिए मशहूर तेलंगाना के अरूण कुमार ने इस साल 10वीं की परीक्षा पास कर ली है. कभी ट्रक क्लीनर रहे अरूण को उनके साथी ड्राइवर नेहरू ने न केवल वायरल किया, बल्कि उनकी पढ़ाई पूरी कराकर जीवन बदल दिया.**

इंटरनेट की मशहूर मुस्कान वाले लड़के की है दर्दभरी कहानी

# चाय का कप और बेफिक्र हंसी

सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कई वायरल मीम या रील के अंत में चाय का गिलास पकड़े और खिलखिलाकर हंसता एक लड़का दिखाई देता है. साधारण से दिखने वाले इस लड़के की हंसी इतनी प्रभावी है कि किसी भी रील, वीडियो या मीम के फन मोमेंट का यह आज सिंबल बन चुका है. इंटरनेट की दुनिया में हंसी और फन का सिंबल बन चुका ये वायरल लाफिंग बॉय कौन है? इस हंसी वाले मोमेंट की क्या कहानी है, जो इतना वायरल हुआ कि आज हर एक रील और मीम में दिखाई देता है. चाय का कप पकड़े, खिलखिलाकर हंसने

अरूण कुमार है इस वायरल लाफिंग बॉय का नाम (Photo - Social Media)

वाले इस लड़के का नाम अरूण कुमार है. यह तेलंगाना का रहने वाला है. इसकी स्वाभाविक और दिल खोलकर हंसने के अंदाज ने लाखों लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाई होगी, लेकिन लोगों को हंसाने वाले इस लड़के की खुद की कहानी काफी संघर्ष और मुश्किल भरी है. इन दिनों अरूण इसलिए चर्चा में है, क्योंकि इसने इस साल मार्च में 10वीं बोर्ड की परीक्षा पास कर ली. जिस शख्स ने कभी इसकी हंसी को कैमरे में कैदकर वायरल किया था. उस नेहरू नाम के व्यक्ति ने ही अरूण को पढ़ा-लिखाकर 10वीं बोर्ड की परीक्षा पास कराई है. गरीबी के कारण अरूण ने चौथी क्लास तक पढ़ने के बाद बीच में ही स्कूल छोड़ दिया था. फिर उसे नेहरू नाम के एक ट्रक ड्राइवर साथ मिला. नेहरू ने अरूण को ट्रक पर क्लीनर की नौकरी दे दी. अरूण की जिंदगी नेहरू के साथ ट्रक पर दूर-दराज की यात्रा करते और हाईवे पर ट्रक के टायरों की धूल झाड़ते कटने लगी. ट्रक पर यहां-वहां जाते टाइम पास के लिए नेहरू रील बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करता था.

एक दिन उसने नेहरू का चाय पीते हुए और किसी बात पर बेफिक्री में खिलखिलाकर हंसते हुए पल का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर डाल दिया. अरूण की ये बेफिक्र हंसी लोगों को इतनी पसंद आई कि रातोंरात नेहरू का ये वीडियो वायरल हो गया. फिर क्या था, अरूण इंटरनेट पर वायरल लाफिंग बॉय के नाम से फेमस हो गया. आज अधिकतर फनी रील और मीम्स में अरूण की हंसी वाले कुछ सेकेंड का फुटेज जरूर होता है. ⊙

## अजनबी को चलती ट्रेन के आगे धकेला

अमेरिका के सिएटल से एक बेहद डराने वाला वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों को हिला कर रख दिया है. मामला नॉर्थगेट लाइट रेल स्टेशन का है, जहां 19 मार्च 2026 की शाम करीब 6 बजे एक युवक ने प्लेटफॉर्म पर खड़े अजनबी को आती ट्रेन के सामने धकेलने की कोशिश की. पूरी घटना वहां लगे CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हो गई और अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. वीडियो में साफ दिखता है कि पीड़ित व्यक्ति प्लेटफॉर्म के किनारे खड़ा होकर अपने फोन में व्यस्त था. ⊙

# निर्देशक आदित्य धर और सुपरस्टार रणवीर सिंह— एक बार फिर साथ आने के लिए तैयार

बॉक्स ऑफिस पर ₹1,780 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रचने वाली जोड़ी—निर्देशक आदित्य धर और सुपरस्टार रणवीर सिंह—एक बार फिर साथ आने के लिए तैयार हैं। 'धुरंधर' सीरीज की अभूतपूर्व सफलता के बाद, खबरें हैं कि आदित्य धर ने अपने अगले महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। फिल्ममेकर आदित्य धर ने अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है और 'धुरंधर' के बाद वे एक बार फिर रणवीर सिंह के साथ काम कर सकते हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इस फिल्म के मुख्य किरदार के लिए रणवीर सिंह सबसे आगे चल रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि धर इस अभी तक बिना नाम वाली फिल्म की शूटिंग मार्च 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य बना रहे हैं। एक सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है, "आदित्य धर को एक आइडिया सूझा है और वे फिलहाल उस पर काम कर रहे हैं। वे इस कॉन्सेप्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं और इसे पूरी सक्रियता के साथ विकसित कर रहे हैं, ताकि मार्च 2027 तक फिल्म की शूटिंग शुरू की जा सके।" रिपोर्ट के अनुसार, धर को एक नया आइडिया मिल गया है और उन्होंने इसे एक पूरी फिल्म का रूप देने पर काम भी शुरू कर दिया है। फिल्म के मुख्य किरदार के लिए रणवीर सिंह के साथ बातचीत भी शुरू हो गई है, हालांकि अभी तक कागजी कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह फिल्म एक 'हाई-कॉन्सेप्ट' और भव्य (larger-than-life) प्रोजेक्ट होने की उम्मीद है। इस भूमिका के लिए रणवीर सिंह पहली पसंद बनकर उभरे हैं; रिपोर्ट के अनुसार, वे फिल्म को लेकर धर की सोच (vision) में पूरी तरह से फिट बैठते हैं। 'धुरंधर: द रिवेंज' को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है, जिससे ऐसा लगता है कि धर बड़े पैमाने पर बनाई जाने वाली महत्वाकांक्षी कहानियों पर ही अपना काम जारी रखेंगे। उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'धुरंधर' फिल्म सीरीज़ के लिए मशहूर धर का बॉक्स ऑफिस पर सफलता का रिकॉर्ड 100 प्रतिशत रहा है; उनकी तीनों ही फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। 'धुरंधर 2', जिसने बॉक्स ऑफिस पर 40 दिन पूरे कर लिए हैं, दुनिया भर में 1,780.82 करोड़ रुपये की ज़बरदस्त कमाई कर रही है। उम्मीद है कि यह फिल्म जल्द ही 'बाहुबली 2' को पीछे छोड़कर दुनिया भर में दूसरी सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन जाएगी।

# अयोध्या में CM योगी का धर्म ध्वजारोहण
# राष्ट्र की अखंडता पर दिया जोर

**सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर पर धर्म ध्वजारोहण किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रभु जब अपना काम कराना चाहते हैं, तभी सफलता प्राप्त होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जब 1983 में आंदोलन को अपने हाथों में लिया तो आंदोलन चरम की ओर बढ़ता गया।**

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित शिव मंदिर के शिखर पर बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धर्म ध्वजारोहण किया। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव व श्रीरामलला का विधिवत दर्शन-पूजन कर आरती भी उतारी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु राम हमें जोड़ने के माध्यम बने हैं। श्रीराम उत्तर को दक्षिण से और श्रीकृष्ण पूरब को पश्चिम से जोड़ रहे हैं। इसी प्रकार भगवान शंकर द्वादश ज्योतिर्लिंग के माध्यम से भारत के कण-कण को जोड़ रहे हैं। ये तीनों भारत को जोड़ने की शक्ति हैं और यही हमारी भी सबसे बड़ी ताकत है। डॉ. लोहिया कहते थे कि श्रीराम, श्रीकृष्ण व शिवशंकर हैं तो कोई भारत का बाल बांका नहीं कर सकता, लेकिन यह बात उनके शिष्य नहीं समझेंगे, क्योंकि समझ उन्हें आता है, जिनमें समझ का सामर्थ्य होता है। जिनमें समझ का सामर्थ्य नहीं, उन रामद्रोहियों-शिवद्रोहियों के लिए कोई ठौर-ठिकाना नहीं होगा। सीएम ने गर्व से कहा कि इतने बड़े आंदोलन ने बता दिया कि जहां अयोध्या होगी और जहां राम होंगे, वहां विजय होगी। सम-विषम परिस्थितियों में हम न रुकेंगे, न झुकेंगे, न डिगेंगे और लक्ष्य को भी प्राप्त करेंगे। दुनिया अयोध्या धाम का अनुसरण कर रही है। सीएम ने नई अयोध्या की स्थिति का भी जिक्र किया। कहा कि नई अयोध्या त्रेतायुग की याद दिला रही है और यही डबल इंजन की ताकत है। यह तभी हो पाया, जब एक साथ एक स्वर में सनातन धर्मावलंबी बोल उठे, तभी रामजन्मभूमि में मंदिर निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त हो गया था।

सीएम ने लोगों से आग्रह किया कि सनातन धर्म की एकता के जरिए भारत की एकता व अखंडता को मजबूती दीजिए। महापुरुषों को जातीयता के दायरे में मत बांटिए और बांटने वालों से सावधान रहिए। यह वही पाप कर रहे हैं, जो मध्यकाल में देश को बांटने और समाज की एकता को खंडित करने वालों ने किया था। बांटने का पाप देशद्रोह से कम नहीं है। यह पाप कभी मत होने दें। जिस दिन 140 करोड़ भारतवासी अपने नेतृत्व पर विश्वास करते हुए बढ़ेंगे, दुनिया उनके सामने बाधक नहीं बन सकती। सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन भारत के इतिहास का महत्वपूर्ण अभियान है। भारत व दुनिया में जहां भी सनातन धर्मावलंबी रहा, वह गिरिवासी, वनवासी, वंचित, भिक्षावृत्ति से जीवन यापन करने वाला हो या राजमहल जैसे प्रासाद में रहने वाला बड़ा उद्यमी, सभी के मन में एक ही भाव था कि प्रभु राम का भव्य मंदिर बने और वह इसे अपनी आंखों से देख सके। पीढ़ी दर पीढ़ी चली गई, संघर्ष व आंदोलन बढ़ता गया। महिला, पुरुष, बच्चे, युवा समेत समाज के हर तबके ने, सनातन धर्म की हर उपासना विधियों से जुड़े लोगों ने लगातार 500 वर्ष तक संघर्ष किया। एक दिन वह काली रात आई थी, जब प्रभु श्रीराम के मंदिर को अपवित्र करके विवादित ढांचा खड़ा कर दिया गया, लेकिन 1528 से बिना किसी रोक-टोक या भय के कोई दिन ऐसा नहीं रहा होगा, जब सनातन धर्मावलंबियों ने श्रीराम जन्मभूमि के लिए सोचा न हो और कुछ करने की इच्छाशक्ति के साथ अभियान का हिस्सा न बनें हो।

## विभूतिखंड में दो पक्षों में बवाल, क्लब के अंदर से हुआ झगड़ा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के विभूतिखंड में सोमवार को दो पक्षों में बवाल हो गया। क्लब के अंदर से शुरू हुआ झगड़ा सड़क पर आ गया। साइबर हाइट्स के बाहर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमें कई लोगों को गंभीर चोट आई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रावतपुरा, रायबरेली निवासी शिवेंद्र सिंह अपने दोस्तों के साथ साइबर हाइट्स स्थित क्लब पहुंचे थे। जहां सोमवार-मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे विशाल नाम के युवक से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया और क्लब में अफरा-तफरी मच गई। आरोप है कि विशाल ने चाकू और कांटे-चम्मच से हमला किया, जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष की एक युवती ने शिवेंद्र और उसके साथियों पर कमर पर हाथ लगाकर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि क्लब के अंदर उसके साथ बदतमीजी की गई, जिसका विरोध करने पर विशाल पर बियर की बोतल से हमला कर दिया गया। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह का कहना है दोनों पक्षों से तहरीर मिल गई है और मामले में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है शिवेंद्र बिग डैडी में किसी बाउंसर का परिचित है। झगड़े के बाद सबको अलग कर दिया गया था। विशाल अपनी दोस्तों के साथ लिफ्ट से बाहर जा रहा था तभी दूसरे पक्ष के लड़कों ने लिफ्ट से खींचकर हाथापाई शुरू कर दी। जिससे मामला ज्यादा बढ़ गया। लोगों का आरोप है कि क्लबों में शराब के नशे में अक्सर युवक आपस में भिड़ जाते हैं। जिससे आसपास रहने वाले परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। लोगों का कहना है कि कई बार पुलिस को सूचना दी गई लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

# नरेंद्र मोदी के अमौसी एयरपोर्ट ट्रांजिट विजिट को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आज 29 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमौसी एयरपोर्ट ट्रांजिट विजिट को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। एयरपोर्ट से लेकर आगरा एक्सप्रेसवे तक सुरक्षा के चलते कई रूटों पर डायवर्जन लागू रहेगा। मंगलवार शाम 6 बजे से ही भारी वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। पीएम मोदी के लौटने तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। आम वाहनों के लिए भी जरूरत के मुताबिक रूट बदले जाएंगे। शहर के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिलेगा। ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। वहीं, डायवर्जन के जरिये एयरपोर्ट के आसपास का एरिया पूरी तरह कंट्रोल किया गया है। अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी मोड़ से भारी वाहन अमौसी एयरपोर्ट के अंदर नहीं जा सकेगा, बल्कि यह यातायात अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी मोड से अमौसी कॉमर्शियल मोड़ से बाएं होकर अपने गंतव्य को जाएगा। लखनऊ से हरदोई होते हुए शाहजहांपुर, बरेली, उन्नाव, कन्नौज, कानपुर की ओर जाने वाले भारी वाहन लखनऊ से आगरा एक्सप्रेसवे और हरदोई मार्ग की तरफ नहीं जा सकेंगे, बल्कि लखनऊ के खुशहालगंज किसानपथ अंडरपास या बाजपुर किसानपथ अंडरपास से किसानपथ होते हुए एनएच-24 (लखनऊ-सीतापुर मार्ग) होते हुए अपने गंतव्य को जा सकेंगे। तिकोनिया तिराहा से आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे की ओर भारी मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा, बल्कि ये वाहन दुबग्गा पेट्रोल पंप तिराहा, दुबग्गा थाना तिराहा (छंदोइया तिराहा) होते हुए अपने गंतव्य को जा

सकेंगे। सामान्य यातायात के लिए डायवर्जन प्लान का पालन करना होगा। अगर कोई मेडिकल इमरजेंसी आती है और वैकल्पिक मार्ग पर न जा सकें तो प्रतिबंधित मार्ग से भी जाने की अनुमति होगी। एंबुलेंस, स्कूली वाहन, फायर सर्विस, शव वाहन आदि को ट्रैफिक पुलिस/स्थानीय पुलिस की मदद से प्रतिबंधित मार्ग से होकर निकलवाया जा सकेगा।

## गंगा एक्सप्रेसवे बना हाईटेक: रियल-टाइम मॉनिटरिंग से सड़क की जांच

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गंगा एक्सप्रेसवे की राइडिंग क्वालिटी और सड़क को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने पहली बार अत्याधुनिक स्विस तकनीक का इस्तेमाल किया है। इसके तहत रियल-टाइम मॉनिटरिंग की गई। पहले परंपरागत रूप से सड़क की जांच निर्माण पूरा होने के बाद की जाती थी, लेकिन इस तकनीक की मदद से निर्माण के दौरान ही सड़क की गुणवत्ता और खामियों को परखा गया। एआई और सेंसर आधारित सिस्टम के लिए स्विटजरलैंड की कंपनी ईटीएच ज्यूरिख और आरटीडीटी लैबोरेटरीज एजी द्वारा विकसित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेंसर मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है।निरीक्षण के लिए सात हाई-प्रिसिजन (उच्च-सटीकत्ता) सेंसरों से लैस एक वाहन का उपयोग किया गया, जिसमें चार सेंसर सड़क की सतह की गुणवत्ता और एकरूपता की जांच के लिए हैं। तीन सेंसर वाहन के मोशन और यात्रियों के आराम को मापने के लिए हैं। यह तकनीक कंपन (वाइब्रेशन) और एक्सेलेरोमीटर के जरिए सड़क की ऊंचाई में उतार-चढ़ाव और सतह की सुगमता का डाटा एकत्र करती है, जिसे ऑनलाइन ग्राफ के माध्यम से वास्तविक समय में देखा जा सकता है। इस तरह निर्माण के दौरान ही खामियों का पता चलने से इंजीनियरों ने तुरंत सुधार किया। गंगा एक्सप्रेसवे के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर महावीर के मुताबिक यह पूरी तरह 'डायनामिक टेस्टिंग' है। यानी लैब नहीं, असली सड़क पर असली स्पीड में जांच।औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का कहना है कि यह केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की तेज रफ्तार, सशक्त सोच और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। आज प्रदेश एक्सप्रेसवे नेटवर्क के मामले में देश में अग्रणी बन रहा है, और गंगा एक्सप्रेसवे इस विकास यात्रा का एक मील का पत्थर साबित होगा। यह एक्सप्रेसवे प्रयागराज के व्यापार, सेवा क्षेत्र और स्थानीय उद्योगों को नई गति देगा। संगम नगरी में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा और अधिक सहज होगी।

## पुरानी इमारतें तोड़ नए कॉम्प्लेक्स बनाएगा एलडीए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

वजीर हसन रोड के अपार्टमेंट की तरह ही एलडीए शहर के कई पुराने व बदहाल कॉम्प्लेक्स और इमारतों को तोड़कर उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत नया सिरे से बनाएगा। इसके लिए पहले सर्वे किया जाएगा। कहां पर किस तरह नई बिल्डिंग बनाई जाए, इस पर मंथन के लिए एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने आर्किटेक्टों के साथ बैठक भी की है। उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 के तहत किसी भी भवन को तोड़कर नया बनाने के पहले वहां के 60 प्रतिशत आवंटियों की सहमति आवश्यक है। सहमति जुटाने के लिए ही पहले सर्वे किया जाएगा। इसके बाद डिजाइन और ड्राइंग तय की जाएगी। जिन भवनों को तोड़कर नया बनाने की योजना है, उनमें ज्यादातर में अवैध कब्जे हैं और इमारत बदहाली का शिकार है। कब्जा खाली कराने और भवन तोड़ने के लिए एलडीए कई वर्ष से मंथन कर रहा है। पहले ऐसी इमारतों के पुनर्विकास के लिए कोई अधिकृत नीति नहीं थी। इसी वजह से प्रस्ताव को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका। अब उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति 2026 बनने से एलडीए ने इस दिशा में कार्रवाई को आगे बढ़ाया है।

# 7 मई को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में ज्यादा जेब ढीली करनी होगी

घरेलू मैदान में लगातार आठ मैच में हार का सामना करने वाली लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के लिए आईपीएल में आगे का सफर आसान नहीं होने वाला है। टीम को घरेलू मैदान (इकाना स्टेडियम) में अगला मुकाबला विराट कोहली एंड कंपनी यानी रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू के खिलाफ सात मई को खेलना है। पिछले साल की तरह इस बार भी मुकाबले के दौरान इकाना स्टेडियम विराट कोहली की जर्सी से पटा नजर आएगा और प्रशंसक भी लखनऊ की बजाए इस टीम के पक्ष में शोर मचाते दिखेंगे। इस मुकाबले में दर्शकों के क्रेज को देखते हुए टिकटों की दरों को बढ़ा दिया है। इनमें डायनमिक फेयर भी लागू होगा यानी मैच के एक दो दिन पहले टिकट खरीदने वाले प्रशसंकों को तय दर से ज्यादा जेब ढीली करनी होगी। मिली जानकारी के अनुसार टिकट की दर दो हजार रुपये से शुरू होकर अधिकतर पचास हजार रुपये तक जाएगी। अभी तक इकाना स्टेडियम में हुए मुकाबलों की दर एक हजार रुपये से शुरू होकर 40 हजार रुपये तक निर्धारित थी। आयोजकों से मिली जानकारी के अनुसार विराट की लोकप्रियता को देखते हुए सात मई को होने वाला मुकाबला हाउसफुल

रहेगा। बताते चलें कि 50 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इकाना स्टेडियम में अभी तक किसी भी मुकाबले में सभी टिकटें नहीं बिकी हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ हुए मुकाबले के दौरान स्टेडियम में आधे से भी कम दर्शक मैच देखने पहुंचे। ऐसे में विराट कोहली की मौजूदगी मात्र से लखनऊ सुपरजायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू के बीच सात मई को होने वाला मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक स्टेडियम पहुंचेंगे। टेस्ट और टी-20 क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद विराट कोहली को लेकर प्रशंसकों में जबर्दस्त क्रेज है। उनकी मौजूदगी मात्र से ही टीम जोश से लबरेज दिखी है। कुछ ऐसी ही स्थिति गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू की है, जो इस समय शानदार प्रदर्शन कर रही है। टीम के इस दमदार प्रदर्शन में उनके स्टार विराट कोहली का सबसे ज्यादा योगदान रहा, जिन्होंने आठ मैच खेलकर 58.50 की प्रभावी और 162.50 के दमदार स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाए हैं।

# डंपर की टक्कर से छह की मौत

# लहूलुहान हुईं खुशियां, बिछ गईं लाशें

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

जानकारी के अनुसार, पठई गांव निवासी मालती अपने 3 वर्षीय पुत्र सूरज उर्फ शुभ का मुंडन कराने के लिए सगे-संबंधियों के साथ बक्सर स्थित चंडिका देवी मंदिर गई थीं। मंदिर में ढोल-नगाड़ों और मंगल गीतों के बीच मुंडन की रस्में पूरी हुईं। परिवार हंसी-खुशी बोलेरो से घर लौट रहा था, जहां मुंडन की दावत और उत्सव की तैयारियां चल रही थीं। जैसे ही गाड़ी बिहार-बक्सर मार्ग पर कीरतपुर गांव के पास पहुंची, तेज रफ्तार डंपर ने उनकी खुशियों को कुचल दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार में बदल गए। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे दब गई। मलबे के भीतर लाशें बिछी थीं और चारों तरफ खून ही खून पसरा था। चीखें सुनकर मौके पर दौड़े ग्रामीणों की भी रूह कांप गई। जिस नन्हे शुभ के मुंडन की खुशियां मनाई जा रही थीं, वह अपनी घायल मां मालती की गोद में लहूलुहान हालत में मिला। पठई गांव में जहां बुधवार को मुंडन की दावत होनी थी, वहां अब एक साथ छह अर्थियां उठने की तैयारी हो रही है। बिहार-बक्सर मार्ग पर बुधवार का सूरज खुशियां नहीं, बल्कि 'खून' लेकर आया। भोर के उजाले के साथ ही एक भीषण हादसे ने पूरे जिले को दहला दिया। मां चंडिका के दरबार में 3 साल के मासूम शुभ का मुंडन संस्कार कराकर लौट रहे परिवार के लिए यह बुधवार 'खूनी' साबित हुआ। एक बेकाबू डंपर ने बोलेरो को ऐसी टक्कर मारी कि मंगल गीत पल भर में चीख-पुकार और मौत के सन्नाटे में बदल गए। इस भयावह हादसे में अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है, जबकि पांच अन्य लोग अस्पताल में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि डंपर की टक्कर के बाद बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और वह डंपर के नीचे ही खंती में दब गई। जब ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया, तो नजारा देख उनकी रूह कांप गई। गंभीर रूप से घायल मां मालती अपने जिगर के टुकड़े शुभ को सीने से लगाए मलबे में फंसी थीं। मां की गोद में शुभ बिल्कुल सहमा हुआ था, जैसे वह समझ ही नहीं पा रहा हो कि अभी कुछ देर पहले मंदिर में जो खुशियां थीं, वो अचानक लहूलुहान चीखों में कैसे बदल गईं। हादसे में मालती को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पठई गांव में जिस घर में मुंडन के भोज की तैयारी के लिए चूल्हे जल रहे थे, वहां अब कोहराम मचा है। हादसे की खबर मिलते ही गांव में सन्नाटा पसर गया और लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। बोलेरो सवार मृतकों के शव जब मलबे से निकाले गए, तो परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा इलाका दहल उठा। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद डंपर के नीचे से बोलेरो को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भागने में सफल रहा। डंपर को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। मां मालती समेत सभी सात घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार चालक की तलाश में टीमें लगा दी हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस 'खूनी बुधवार' की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों के इलाज में कोई कसर न छोड़ी जाए।

## दूल्हे को मंगलवार को पुलिस कोतवाली ले आई

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

नवाबगंज। बरात निकालने की तैयारी में जुटे दूल्हे को मंगलवार को पुलिस कोतवाली ले आई। उस पर एक युवती ने कोर्ट मैरिज करने का आरोप लगाया और कागजात दिखाए। पहली पत्नी से छिपाकर दूसरी शादी रचाने की तैयारी के मामले में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद युवक पहली पत्नी को साथ रखने के लिए तैयार हो गया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र की महिला मंगलवार देर शाम एक साल की बच्ची के साथ थाने पहुंची। उसने पुलिस को बताया कि उसका पति दूसरी शादी कर रहा है और आज ही उसकी बरात जानी है। महिला ने कोर्ट मैरिज के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। यह शादी 16 जनवरी 2026 को हुई थी। दस्तावेजों की जांच के बाद पुलिस दूल्हे के घर पहुंची। पुलिस उसे बरात की तैयारी में ही कोतवाली ले आई। कोतवाली में महिला ने दूल्हे के सामने अपनी शादी की बात बताई। इससे शादी वाले घर में हलचल मच गई। प्रभारी कोतवाल मुकुल दुबे ने बताया कि युवक के शादीशुदा होने की जानकारी उसके परिजनों को नहीं थी। इसी कारण उन्होंने शादी तय कर दी थी। मंगलवार देर शाम बरात निकलने से पहले दूल्हे को कोतवाली लाकर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया। पुलिस के समझाने पर युवक पहली पत्नी को भी साथ रखने के लिए राजी हुआ। दूल्हे को अभी भी कोतवाली में बिठाया गया है जिससे बरात नहीं जा सकी।

## मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से फसल को भारी नुकसान

**टीवी भारतवर्ष उन्नाव**

उन्नाव के मियागंज क्षेत्र में बुधवार दोपहर अचानक बदले मौसम ने किसानों के लिए आफत ला दी। तेज हवाओं के साथ हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, इस बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। दोपहर में अचानक आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में ओले गिरने लगे, जिससे खेतों में गेहूं की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई।कई जगहों पर कटी हुई और बोझ बंधी फसल भीग गई, जिससे किसानों की मेहनत बर्बाद हो गई। किसानों का कहना है कि कटाई के लिए तैयार फसल अब बर्बाद होने की कगार पर है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। स्थानीय किसानों के अनुसार, मौसम विभाग ने केवल हल्की बारिश की संभावना जताई थी। अचानक आई तेज बारिश ने स्थिति बिगाड़ दी। जिन किसानों ने अभी तक फसल की कटाई नहीं की थी, उन्हें विशेष रूप से नुकसान हुआ है। तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी फसल झुक गई और कई स्थानों पर पूरी तरह बिछ गई। हालांकि, इस बारिश से भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिली है। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज धूप और गर्म हवाओं से लोग परेशान थे। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बारिश के बाद गांवों में कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी देखी गई, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द सर्वे कर राहत नहीं दी गई, तो उन्हें गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अचानक बदलते मौसम से फसलों को बचाने के लिए किसानों को समय-समय पर मौसम की सटीक जानकारी मिलना आवश्यक है। फिलहाल किसान अपनी बची हुई फसल को सुरक्षित करने में जुटे हुए हैं और प्रशासन की ओर से मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

## अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा नेताओं ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात, दी आर्थिक सहायता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पीडीए के मसीहा मा0 श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष श्री राजेश कुमार यादव ने विगत दिनों आर्थिक तंगी और भुखमरी से परेशान होकर आत्महत्या कर अपनी जान दे चुके विधानसभा क्षेत्र भगवंतनगर के ग्राम नरपत खेड़ा पोस्ट इंदेमऊ निवासी स्व0 बच्चूलाल पुत्र भगवती प्रसाद के घर पहुँचकर उनके परिवार जनों से मिल कर उन्हें इस दुख की घड़ी में ढाँढस बंधाते उन्हें सांत्वना प्रदान की तथा जीविकोपार्जन हेतु राशन सामग्री तथा यथासंभव आर्थिक सहायता प्रदान की।मृतक बच्चूलाल अत्यंत ही निर्धन परिवार से थे परिवार में उनकी पत्नी सहित 6 बच्चे हैं जिनके पालन पोषण और शिक्षा आदि के एकमात्र वही सहारा थे।तत्पश्चात ब्लॉक सिकंदरपुर कर्ण के ग्राम निधान खेड़ा में विगत दिनों भीषण आग लग जाने से कई रावत समाज के परिवारों की गृहस्थी जल कर पूरी तरह से नष्ट हो गई थी आज श्री यादव ने उन सभी पीड़ित परिवारों से भेंट कर उन्हें यथासंभव राहत सामग्री वितरित कर उन्हें भविष्य में हर संभव सहायता प्रदान करने हेतु आश्वासन दिया।पीड़ित परिवारों में क्रमशः श्री रामशंकर, गोविंद, लोट्टन,दुल्ला,श्रीमती कल्पना, काली, छेद्दू,झल्लू आदि लोगों के नाम शामिल हैं।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शिवशंकर गौतम,युवजन सभा प्रदेश सचिव नितिन पटेल,युवजनसभा जिलाध्यक्ष अमन अंजुम,विधानसभा अध्यक्ष सत्येंद्र यादव,श्रीनारायण पाल,ब्लॉक अध्यक्ष रमाकांत पटेल,छोटेलाल भारतीय आदि लोग मौजूद रहे।

# ओबीसी आयोग गठन में देरी पर हाईकोर्ट सख्त

# पंचायत चुनाव पर अनिश्चितता गहराई

अब इस पूरे मामले में सबकी नजर 19 मई की अगली सुनवाई पर टिकी है। माना जा रहा है कि हाईकोर्ट की अगली टिप्पणी पंचायत चुनाव, ओबीसी आरक्षण और पंचायत प्रतिनिधियों के भविष्य पर बड़ा असर डाल सकती है।

उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने आयोग के गठन में देरी को गंभीरता से लेते हुए पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव अनिल कुमार से जवाब तलब किया है। न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 19 मई तय की है। अवमानना याचिका में सरकार के आश्वासन का हवाला

याचिका में कहा गया है कि 4 फरवरी 2026 को हाईकोर्ट के समक्ष राज्य सरकार ने भरोसा दिया था कि पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा। साथ ही आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इसी सरकारी आश्वासन के आधार पर कोर्ट ने उस समय संबंधित याचिका निस्तारित कर दी थी, लेकिन अब तक आयोग का गठन नहीं होने पर इसे कोर्ट के आदेश की अवहेलना बताते हुए अवमानना कार्रवाई की मांग की गई है।उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को लेकर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने आयोग के गठन में देरी को गंभीरता से लेते हुए पंचायती राज विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव अनिल कुमार से जवाब तलब किया है।

यह मामला सिर्फ आयोग गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण की प्रक्रिया से भी जुड़ा हुआ है। माना जा रहा है कि आयोग की रिपोर्ट के बिना आरक्षण व्यवस्था और चुनाव कार्यक्रम दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसी वजह से यह मामला राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर अहम माना जा रहा है। इधर पंचायत चुनाव को लेकर अनिश्चितता के बीच पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर (Om Prakash Rajbhar) ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर समय पर पंचायत चुनाव नहीं होते हैं तो ग्राम प्रधानों, ब्लॉक प्रमुखों और जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रस्ताव के समर्थन में है और जरूरत पड़ने पर इसे मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। राजभर ने कहा कि अगर चुनाव नहीं होते, तो वर्तमान निर्वाचित पदाधिकारियों को ही प्रशासक बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव लाया जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि राजस्थान (Rajasthan), मध्य प्रदेश (Madhya Pradesh) और उत्तराखंड (Uttarakhand) में भी इस तरह की व्यवस्था अपनाई गई है, ऐसे में उत्तर प्रदेश में भी मजबूत प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। पंचायती राज निदेशालय में आयोजित राज्य स्तरीय विशेष कार्यशाला के दौरान यह मुद्दा और गर्माता दिखा। कुछ ब्लॉक प्रमुखों ने चुनाव टलने की स्थिति में कार्यकाल बढ़ाने की मांग को लेकर नारेबाजी भी की। ब्लॉक प्रमुख संघ के अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह और संरक्षक जगमोहन सिंह यादव ने पदेन पदाधिकारियों को प्रशासक बनाए जाने की मांग उठाई। पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में चुनाव समय पर होंगे या प्रशासक नियुक्त होंगे, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। प्रशासनिक हलकों में भी इस पर चर्चाएं तेज हैं। एक तरफ हाईकोर्ट ओबीसी आयोग गठन को लेकर जवाब मांग रहा है, तो दूसरी ओर चुनाव न होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था पर सरकार विचार करती दिख रही है।

## बदमाशों से भिड़ी बहादुर बेटी

जिले के गोला थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक ज्वेलर्स की दुकान में दो लुटेरे ग्राहक बनकर घुसे। मौका पाते ही बदमाश करीब 20 ग्राम सोने के गहने पर झपट्टा मारकर भागने लगे। दुकान पर बैठी मालिक की 18 साल की बेटी ने हिम्मत दिखाई और उन्हें दौड़ाकर पकड़ने की कोशिश की। लगभग 100 मीटर तक वह बदमाशों के पीछे दौड़ती रही। उसने बीच सड़क पर एक लुटेरे का हाथ पकड़कर गिरा भी दिया। हालांकि इसके बावजूद लुटेरे भागने में कामयाब हो गए। ये पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के मुताबिक गोला थाना के उपनगर के वार्ड नंबर- 17 में देवांश स्वर्णकला केंद्र नाम से ज्वेलरी की दुकान है। इस दुकान के मालिक राकेश वर्मा हैं। राकेश अपनी तीसरी बेटी की सगाई के कार्ड बांटने गए थे। उनकी गैरमौजूदगी में उनकी छोटी बेटी अमृता (18) दुकान संभाल रही थी। इसी दौरान दोपहर करीब 2:20 बजे दो युवक ग्राहक बनकर दुकान में घुस गए। उन लोगों ने जेवर दिखाने के लिए कहा। जेवर दिखाने के दौरान एक युवक ने झपट्टा मारकर करीब 20 ग्राम वजन के 4-5 जोड़ी कान के झाले उठा लिए। इसके बाद वह दुकान से भागने लगा। हालांकि युवती ने उनका पीछा किया और एक को पकड़कर गिरा भी दिया। हालांकि बाद में मौका पाकर दोनों बदमाश फरार हो गए। सरया सब्जी मंडी के पास उसका साथी बाइक लिए खड़ा था, जहां से दोनों फरार हो गए। घटना की सूचना पाकर दुकान पर पहुंचे मालिक राकेश वर्मा ने बताया कि लूटे गए 20 ग्राम सोने की कीमत लगभग 2 लाख 50 हजार रुपए है।

## विश्व दिव्यांग दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार: हाथरस में 25 मई तक आवेदन आमंत्रित

हाथरस 29 अप्रैल, 2026हाथरस। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विशाल कुमार ने जनपद हाथरस़ के ऐसे समस्त दिव्यांगजन एवं जन सामान्य को सूचित किया जाता है कि दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों/सेवायोजकों को प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर "विश्व दिव्यांग दिवस" के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश के द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।स्वतः रोजगाररत दक्ष दिव्यांग व्यक्ति/कर्मचारी, उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारी/अधिकारी, उत्कृष्ट सेवायोजक एवं प्लेसमेंट अधिकारी, व्यक्ति विशेष हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट संस्था हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट रोल मॉडल हेतु पुरस्कार, दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण के निर्माण के लिये पुरस्कार, दिव्यांगजन के पुनर्वासन के क्षेत्र में कार्य के लिये उत्कृष्ट जनपद, उत्कृष्ट लोकल लेवल कमेटी हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट चैनेलाइजिंग एजेंसी हेतु पुरस्कार, असाधारण सृजनात्मक कर्यि हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट ब्रेलप्रेस हेतु पुरस्कार, उत्कृष्ट एससेबल बेबसाइट हेतु पुरस्कार। अतः उपरोक्तानुसार उल्लेखनीय है कि दिव्यांगता के उपरोक्त क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार इस वर्ष 03 दिसम्बर, 2026 "विश्व दिव्यांग दिवस" के अवसर पर दिये जाने हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी, विकास भवन कक्ष संख्या-104 में विलम्बतम दिनांक-25.05.2025 तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें।

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वाराणसी स्थिति काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वाराणसी स्थिति काशी विश्वनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना की और मां गंगा को प्रणाम किया। मंदिर में दर्शन के बाद पीएम मोदी गंगा द्वार तक गए, जहां उन्होंने हाल ही में स्थापित वैदिक घड़ी का अवलोकन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ घाट पर लगे एयर प्यूरीफायर सिस्टम का भी निरीक्षण किया। इस एयर प्यूरीफायर सिस्टम से मणिकर्णिका घाट की वायु शुद्ध होती है। इस दौरान पीएम मोदी ने इस आधुनिक सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी ली। करीब 55 मिनट तक मंदिर परिसर में रहे पीएम मोदी ने गर्भगृह में सात से आठ मिनट तक विशेष पूजा की। इस दौरान उन्होंने माता अन्नपूर्णा, भारत माता और शंकराचार्य को भी प्रणाम किया। लंबे समय बाद वे इस मंदिर में पहुंचे। इससे पहले 18 जून 2024को उन्होंने इस मंदिर में दर्शन और पूजन किया था। इससे पहले बुधवार सुबह वाराणसी में रोड शो किया, जिसे देखने के लिए सड़क पर भारी भीड़ उमड़ी। रोड शो बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्लू) से शुरू हुआ और लहरतारा, कचहरी, आंबेडकर चौराहा, चौकाघाट, तेलियाबाग, लहुराबीर और मैदागिन से होते हुए काशी विश्वनाथ धाम पर समाप्त हुआ। मंदिर में प्रधानमंत्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना की। जैसे ही वह मंदिर परिसर से बाहर निकले, भक्तों ने "हर हर महादेव" के जयकारे लगाए और मोदी ने हाथ हिलाकर और हाथ जोड़कर उनका अभिवादन दिया।